Program Syllabus Booklet

Master of Arts in Hindi
(Hindi -607)

Session: 2021-22

University College of Basic Science and Humanity
Guru Kashi University, Talwandi Sabo

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

TABLE OF CONTENTS

S No.	Content	Page No
1	Program Specific Outcomes and Program Outcomes Annexure -1	3-4
2	Curriculum / Scheme - Annexure-2	5-8
3	Semester wise Syllabi - Annexure-3	9-69
4	Academic Instructions - Annexure-4	70

Annexure -1

Program: Master in Arts in HINDI (M.A.)

Program Code :-607

Program Outcome (PO): The Program Outcome for the Master of Arts (M.A.) in HINDI are the following:

PO	Statements
PO1	**साहित्यिक ज्ञान वृद्धि** -: छात्र साहित्यकारों की साहित्यिक रचनाओं का आस्वादन एवं मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे
PO2	**समस्या एवं समाधान** :- छात्र साहित्यिक विभिन्न विधाओं से सम्बन्धित नवीन समस्याओं से परिचित होंगे एवं उनका समाधान करने में निपुण होंगे !
PO3	**साहित्यक विधायों का विवेचन विश्लेषणे**ः छात्र साहित्य की प्राचीन एवं नवीन साहित्यिक विधाओं का विवेचन -विश्लेष्ण एवं मूल्यांकन करके नवीन साहित्य सृजन में प्रवृत होंगे !
PO4	साहित्य में नयी संभावनायों की खोज -: छात्र वैश्वीकरण के दौर में प्रचलित नई सम्भावनाओं पर ध्यान केन्द्रित करेंगे और उन सम्भावनाओं का प्रत्येक विधा से सम्बन्ध स्थापित करेंगे !
PO5	आधुनिक जनसंचार तन्त्र का ज्ञान -: छात्र जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मिडिया के माध्यम से हिन्दी की उपादेयता तथा प्रोद्योगिकी के नए क्षेत्र में नई सम्भावनाओं की तलाश करेंगे !
PO6	साहित्य और समाज का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध-: छात्र भाषा विज्ञान लोक साहित्य, सोंदर्य शास्त्र, शैली विज्ञान, अनुवाद विज्ञान, प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता प्रशिक्ष्ण से परिचित हो कर , ललित साहित्य, ! समाज के परिप्रेक्ष्य में साहित्य का सम्बन्ध स्थापित करेंगे

PO7	परम्परा और आधुनिकता का सम्बन्ध ; छात्र साहित्यकारों के व्यक्तित्व कृतित्व एवं सृजन कार्य से परिचित हो परम्परा एवं आधुनिकता का समन्वय कर , ! समाज को उनकी उपादेयता की जानकारी हासिल करेंगे
PO8	जीवन मूल्यों की सार्थकता -: साहित्य के माध्यम से छात्र स्थापित शाश्वत जीवन मूल्यों की प्रासंगिकता को समझते हुए साहित्य में शिवम का समावेश करेंगे !
PO9	व्यकितगत एवं सामूहिक परिचर्चा -: छात्र साहित्य के विकासक्रम का अवलोकन करते हुए व्यष्टि एवं समष्टि के रूपाकार में कार्य को समुचित आकार प्रदान करेंगे !
PO10	वार्तालाप -: साहित्य में ज्ञान वृद्धि एवं रूचि ग्रहण करके आपसी वार्तालाप के माध्यम से तत्कालीन समाज के साहित्य संरचना के सृजन में सहायक होंगे

Program Specific Outcome (PSO): The Program Specific Outcome for the Master of Arts (M.A.) in HINDI program are the following:

PSO	**Statement**
PSO1	आधुनिक काल में रचित विविध गद्य विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ताकि उनके माध्यम से साहित्य एवं समाज के अन्तरसम्बन्ध की जानकारी हो सके।
PSO2	आधुनिक काल में रचित हिन्दी कविता की विविध प्रवृत्तियों को महत्वपूर्ण कवियों और कविताओं द्वारा समझना ।
PSO3	1050 ई0 से अब तक रचित हिन्दी साहित्येतिहास की विविध सोपानो के माध्यम से जानकारी।

Annexure:-2

Study Scheme										
Semester: 1st										
Sr.	Subject Code	Subject Name	Type of Subject T/P	(Hours Per Week)			No. of Credits	Internal Marks	External Marks	Total Marks
				L	T	P				
1	607101	Hindi Sahitya ka Itihas-I	T	5	0	0	5	50	50	100
2	607102	Hindi Bhasha aur Bhasha Vigyan-I	T	5	0	0	5	50	50	100
3	A607103	Madhyakalin Hindi Kavya-I	T	5	0	0	5	50	50	100
4	A607104	Adhunik Gadhya Sahitya	T	5	0	0	5	50	50	100
Total No. of Credits							20			

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Semester: 2nd										
Sr.	Subject Code	Subject Name	Type of Subject T/P	(Hours Per Week)			No. of Credits	Internal Marks	External Marks	Total Marks
				L	T	P				
1	607201	Hindi Sahitya ka Itihas-II (Adhunik Kaal)	T	5	0	0	5	50	50	100
2	607202	Hindi Bhasha aur Bhasha Vigyan-II	T	5	0	0	5	50	50	100
3	607203	Madhyakalin Hindi Kavya-II	T	5	0	0	5	50	50	100
4		Optional -1	T	5	0	0	5	50	50	100
Total No. of Credits							20			
Optional -1 (Select any one out of four)										
1	607204	Punjab ka Hindi Sahitya								
2	607205	Patrkarita Prashikshan								
3	607206	Anuvad Vigyan								
4	607207	Premchand(Vishesh Adhyan)								

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Semester: 3rd											
Sr.	Subject Code	Subject Name	Type of Subject T/P	(Hours Per Week)			No. of Credits	Internal Marks	External Marks	Total Marks
				L	T	P				
1	607301	Adhunik Hindi Kavya-I	T	5	0	0	5	50	50	100
2	607302	Kavyashastra aur Sahityaalochn	T	5	0	0	5	50	50	100
3	A607303	Hindi Natak aur Nibandh	T	5	0	0	5	50	50	100
4		Optional -2	T	5	0	0	5	50	50	100
Total No. of Credits							20			
Optional -2 (Select any one out of four)										
1	607304	Nirala (Vishesh Adhyan)								
2	607305	Hindi Aalochna aur Aalochak								
3	A607306	Kabir (Vishesh Adhyan)								
4	607307	Mohan Rakesh (Vishesh Adhyan)								

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Semester: 4th

Sr.	Subject Code	Subject Name	Type of Subject T/P	(Hours Per Week) L	T	P	No. of Credits	Internal Marks	External Marks	Total Marks
1	A607401	Adhunik Hindi Kavya-II	T	5	0	0	5	50	50	100
2	607402	Paaschetya Kavya Shastra	T	5	0	0	5	50	50	100
3	607403	Paryojanmulak Hindi	T	5	0	0	5	50	50	100
4		Optional -3	T	5	0	0	5	50	50	100
Total No. of Credits							20			
Optional -3 (Select any one out of Three)										
1	607404	Hindi Aalochna aur Aalochak								
2	607405	Tulsi Das (Vishesh Adhyan)								
3	607406	Lok Sahitya (Sadhantik Adhyan)								

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Annexure-3

Course Name: हिन्दी साहित्य का इतिहास

Course Code: 607101

Semester: 1st

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able:
CO1	युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृतियों के आधार पर हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
CO2	आदिकालीन,भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृतियों,प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से अवगत कराना।
CO3	जैन,सिद्ध,नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।
CO4	युगीन सामाजिक,राजनैतिक,धार्मिक,साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्षय में हिन्दी साहित्य से अवगत कराना।

Course Contents

खंड(क)

- अध्ययनार्थ विषय
- हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
- हिन्दी साहित्योतिहास की आधारभूत सामाग्री और उसके पुनर्लेखन की समस्याएं
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।

खंड(ख)

- आदिकाल की परिस्थितियां
- पृथ्वीराज रासो:प्रमाणिकता का प्रश्न
- रासो काव्य: परम्परा और प्रवृतियाँ
- सिद्ध साहित्य: परम्परा और प्रवृतियाँ
- नाथ साहित्य: परम्परा और प्रवृतियाँ
- जैन साहित्य: परम्परा और प्रवृतियाँ

- अमीर खुसरो की हिन्दी कविता
- आदिकालीन गद्य साहित्य

खंड(ग)

- भक्ति आंदोलन: उदय के सामाजिक,सांस्कृतिक कारण
- हिन्दी संतकाव्य का वैचारिक आधार
- संतकाव्य परम्परा और प्रवृतियाँ (कबीर,नानक,दादू,रैदास)
- हिन्दी सूफी काव्य का वैचारिक आधार
- सूफी काव्य परम्परा और प्रवृतियाँ (कुतुषन,मंझन,जायसी)
- सूफी काव्य में लोक वर्णन ।

खंड(घ)

- रामकाव्य का वैशिष्टय
- तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ
- कृष्ण काव्य : परम्परा और प्रवृतियाँ
- कृष्ण काव्य विविध सम्प्रदाय
- भक्तिकाल: स्वर्णयुग
- भक्तिकालीन भक्तिवर काव्य
- भक्तिकालीन गद्य साहित्य

- सहायक पुस्तकें.......

1 गुप्त (.डॉ), गणपति चंद्र "हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास" (दो खंड(, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1999

2 . नगेंद्र (सं)(.डॉ), "हिंदी साहित्य का इतिहास", मयूर पेपरबैक्स, नोएड़ा, चौबीसवां संकरण, 1997

3. शुक्ल रामचंद्र, "हिंदी साहित्य का इतिहास", नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण, 2056 वि.सं.

4. चतुर्वेदी रामस्वरूप, "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास" लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नवम संकरण, 1998

5. मंगल लालचंद गुप्त "हिंदी साहित्य का इतिहास", यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999

CO/PO/PSO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PSO1	PSO 2	PSO3
CO1	3	2	-	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	3	2	2	2	-	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	-	2	3	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	1.7	1.7	2.2	2.5	2	1.1	1.2	2.1	1.7	2.1	2.3	1.5	1.5

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान

Course Code: 607102

Semester: 1st

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes: On completion of this course, the successful students should be able to:

CO	Statement
CO1	भाषा विज्ञान के अंगो एवं विभिन्न शाखाओं, हिन्दी के विविध रूपों का परिचय देना ।
CO2	भाषा विज्ञान के सैद्धान्तिक पक्ष से अवगत कराना।
CO3	भारतीय आर्य भाषाओं के एतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना ।
CO4	हिन्दी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

Course Contents

खंड (क)

अध्ययनार्थ विषय

भाषा और भाषा विज्ञान

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा सरंचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान,स्वरूप एवं व्याप्ति, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं, वर्णनात्मक, एतिहासिक और तुलनात्मक, साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अँगो की उपयोगिता।

खंड (ख)

हिन्दी की एतिहासिक पृष्ठभुमि

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं: वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं:पालि,प्राकृत,शौरसेनी,अर्धमागधी,मागधी,अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाए और उनका वर्गीकरण

खंड(ग)

हिन्दी का भोगौलिक विस्तार

हिन्दी की उपभाषाएं: पश्चिमी हिन्दी,पूर्वी हिन्दी,राजस्थानी,बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ। खडी बोली,बृज और अवधी की विशेषताएं,देवनागिरी लिपि: उत्पति,विकास विशेषताएं,मानकीकरण

खंड(घ)

स्वन विज्ञान

स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखा,वाग्यन्त्र और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण,स्वनिक परिवर्तन,स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिक की अवधारणा,स्वनिम के भेद,स्वनिमिक विश्लेषण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भावुक कृष्ण (.डॉ), "हिंदी भाषा का इतिहास", अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1997

2. तिवारी भोलनाथ (.डॉ), "हिंदी भाषा", किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1966

3 . तिवारी भोलनाथ (.डॉ), "भाषा विज्ञान", किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951

4 . शास्त्री रामचंद्र वर्मा .एवं डॉ (.डॉ)माया अग्रवाल, "भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा-", अनीता प्रकाशन, दिल्ली , 1994

5. बाहरी हरदेव (.डॉ), "हिंदी उद्भव :, विकास और रूप", किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 1965

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान

CO/PO /PSO	PO 1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PS O1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	-	1	2	1	2	1	-	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	2	2	3	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	2.1	2.00	2.2	2.5	1.2	1.1	2	2.1	1.7	2.1	1.5	1.7	2.2

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Code: A607103

Semester: 1st

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (दार्शनिक,सांस्कृतिक,साहित्यिक) के परिप्रेक्षय में कबीर,तुलसी,जायसी की व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिन्दी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
CO2	छात्रों को कबीर,तुलसी,जायसी की काव्यगत शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
CO3	छात्रों को कबीर,तुलसी,जायसी के काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
CO4	हिन्दी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

Course Contents

भाग क

1–कबीर :आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेद्वी ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली

केवल 175 –200 पद

भाग ख

2–तुलसीदास :रामचरितमानस –सुन्दरकाण्ड ,गीताप्रैस गोरखपुर

भाग ग

3–मलिक मोहम्मद जायसी :पद्मावत ,केवल नागमती वियोग खंड

भाग ध

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1–पद्मावत महाकाव्य

2–पद्मावत काव्यरुप ,पद्मावत प्रतीकात्मकता

3–जायसी :सौन्दर्य चित्रण

4–पद्मावत में अभिव्यजंना पक्ष

5–पद्मावत समासोक्ति काव्य

6–कबीर :व्यक्त्वि एवं कृतित्व

7– कबीरःप्रतीक और उलटबासियॉं

8– कबीर :रहस्यवाद

9– कबीर :समाजसुधारक

10– कबीर :भाषा शैली ,प्रतीक योजना ,विरह भावना ,दार्शनिक चिंतन ,संत काव्य की विशेषताऍं

11 –तुलसीदास :जीवन वृत एवं कृतित्व

12– तुलसीदासःव्यक्ति विश्लेषण,प्रमाणिक रचनाऍं।

13– तुलसीदास :काव्य दर्शन

14– तुलसीदास :भक्ति भावना

15– तुलसीदासःवाड़मय तथा संस्कृत राम कथा काव्यों में हनुमान का स्वरुप

16–सुन्दरकाण्ड का नामकरण ,शील निरुपण ,भाव और रस योजना

- सहायक पुस्तकें :

1 द्विवेदी आचार्य हजारी प्रसाद, कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1906

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

2 तुलसीदास, रामचरित मानस ,गीता प्रेस, गोरखपुर 1995

3 जायसी मालिक मोहम्मद , पद्मावत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1964

4 सिंह ,श्याम सुन्दर , कबीर ग्रंथावली राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1989

5 सिंह ,भानु उदय , तुलसीदास राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1978

6 साही विजयदेव नारायण, जायसी वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1976

7 रघुवंश, जायसी एक नयी दृष्टि , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1994

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of मध्यकालीन हिन्दी काव्य

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	1	-	3	1	2	1	2	1	-	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	-	2	3	2	1	2
CO4	3	2	-	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
Average	2.2	1.7	1.7	2.	2	1.1	2	1	1.7	2.1	1.7	1.5	2.5

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name:-आधुनिक गद्य साहित्य

Course Code: A 607104

Semester: 1st

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes::

CO	On completion of this course, the successful students should be able
CO1	उपन्यास विधा के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
CO2	उपन्यास तथा अन्य साहित्यिक विधाओं का तुलनात्मक परिचय देना
CO3	हिन्दी उपन्यासों के विकास क्रम, विभिन्न प्रवृतियों की जानकारी देना।
CO4	हिन्दी उपन्यासों के तात्विक स्वरूप एवं विकास क्रम के परिप्रेक्षय में उपन्यासों के आस्वादन,अध्ययन एवं मूल्यांकन की क्षमता बढाना।

Course Contents

भाग क

1—गोदान :प्रेमचन्द

भाग ख

1—समस्यामूलक उपन्यासकार : प्रेमचन्द

2— प्रेमचन्द की भाषा शैली

3— प्रेमचन्द की नारी भावना

4— प्रेमचन्द का जीवन दर्शन

5—महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना और गोदान

6—गोदान में गॉव और शहर

7—गोदान और भारतीय किसान

8–गोदान में यथार्थ और आदर्श

9–गोदान के मुख्य चरित्र

भाग ग

2–तमस :उपन्यास ,भीष्म साहनी

1–भीष्म साहनी का व्यक्तित्व ,कृतित्व

2–भीष्म साहनी की उपन्यास कला

भाग ध

आलोवनात्मक प्रश्नोत्तर :

1–तमस उपन्यास की समीक्षा ,भाषा शैली

2–मुराद अली ,रिचर्ड ,नत्थू का चरित्र –चित्रण

3–तमस उपन्यास का उद्देश्य

4–तमस उपन्यास के नामकरण की सार्थकता

5–साम्प्रदायिक दंगे एवं देश विभाजन

-
-
- सहायक पुस्तकें :

1 प्रेमचंद , सेवासदन , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1989

2 प्रेमचंद , कर्बला , राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1997

3 प्रेमचंद, प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2001

4 शर्मा रामविलास , प्रेमचंद और उनका युग राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1998

5 शर्मा ,शिवकुमार , हिन्दी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, दिल्ली 2002

6 प्रेमचंद, गोदान अनुज पब्लिशिंग, दिल्ली, 2010

7 साहनी भीष्म तमस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1995

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for आधुनिक गद्य साहित्य

CO/PO/PSO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO 10	PSO1	PSO 2	PSO3
CO1	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	-	2	3	3	3	1	2	1	2	1	-	2	3
Average	1.7	1.7	2.2	2.8	2.2	1.5	2	1.7	1.7	1.8	1.7	1.5	2.3

The correlation levels are: “1” – Low Correlation, “2” – Medium Correlation, “3” – High Correlation and “-” indicates there is no correlation

.   **Course Name: हिन्दी साहित्य का इतिहास-2(आधुनिक काल)**

Course Code: 607201

Semester: 2nd

Credits 05   **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	युगीन परिस्थितियों सामाजिक,राजनैतिक,धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक
CO2	और साहित्यिक प्रवृतियों के आधार पर हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
CO3	रीतिबद्ध, रीतिसद्ध, रीतिमुक्त, आधुनिक काल, भारतेन्दु, द्विवेदी युग ,छायावादी युग साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।
CO4	पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता को बढाना।

खण्ड (क)

रीतिकाल: सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

- रीतिकाल का नामकरण,
- रीतिकाल के मूल स्त्रोत,
- दरबारी संस्कृति और लक्ष्य ग्रन्थ परम्परा,
- रीतिकाव्यों का आचार्यत्व,
- रीतिकाल के प्रमुख कवि केशव,बिहारी,भूषण,देव पद्माकर,मतिराम,घनानन्द,

खण्ड (ख)

रीति काव्य में लोकजीवन

- रीतिबद्ध काव्य- सामान्य प्रवृतियाँ,
- रीतिसद्ध काव्य- सामान्य प्रवृतियाँ,
- रीतिमुक्त काव्य- सामान्य प्रवृतियाँ,
- रीतिकालीन वीर काव्य- सामान्य प्रवृतियाँ,
- रीतिकालीन नीति काव्य- सामान्य प्रवृतियाँ,

- रीतिकालीन गद्य साहित्य- सामान्य प्रवृतियाँ,

खण्ड (ग)

- आधुनिक काल और भारतीय नवजागरण,
- भारतेन्दु और उनका काव्य,
- भारतेन्दु और उनका मण्डल,
- द्विवेदी युगीन काव्य और सामान्य प्रवृतियाँ,
- राष्ट्रीय काव्यधारा प्रमुख कवि और काव्य,
- छायावादी काव्य(प्रसाद,पन्त,निराला,महादेवी वर्मा सामान्य प्रवृतियाँ)
- प्रगितीवाद काव्य परम्परा और प्रवृतियाँ,प्रयोगवाद- कवि और काव्य,

खण्ड (घ)

- हिन्दी पत्रकारिता उद्भव और विकास,
- हिन्दी नाटक उद्भव और विकास,
- हिन्दी एकांकी,उपन्यास,निबन्ध,आलोचना,रेखाचित्र एवं संस्मरण साहित्य,यात्रा साहित्य, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य,डायरी साहित्य रिपोर्ताज उद्भव और विकास।

- सहायक पुस्तकें.......

1 गुप्त (.डॉ), गणपति चंद्र "हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास" (दो खंड(, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1999

2 . नगेंद्र (सं)(.डॉ), "हिंदी साहित्य का इतिहास", मयूर पेपरबैक्स, नोएड़ा, चौबीसवां संकरण, 1997

3. शुक्ल रामचंद्र, "हिंदी साहित्य का इतिहास", नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, छत्तीसवाँ संस्करण, 2056 वि.सं.

4. चतुर्वेदी रामस्वरूप, "हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास" लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नवम संकरण, 1998

5. मंगल लालचंद गुप्त "हिंदी साहित्य का इतिहास", यूनिवर्सिटी बुक सेंटर, कुरुक्षेत्र, द्वितीय संस्करण, 1999

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for हिन्दी साहित्य का इतिहास-2(आधुनिक काल)

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	1	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	-	2	3	2	1	2
CO4	3	2	3	-	3	1	2	1	2	1	3	2	3
Average	2.5	1.7	1.7	2.	2.1	1.4	2	1	1.7	1.7	2.5	1.7	1.7

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

Course Name: हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान-2

Course Code: 607202

Semester: 2nd

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।
CO2	हिन्दी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरुप से परिचित कराना
CO3	भाषा विज्ञान के सिद्धांत पक्ष की जानकारी देना ।
CO4	साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।

Course Contents

खण्ड (क)

हिन्दी के विविध रूप:

सम्पर्क भाषा,राष्ट्र भाषा,संचार भाषा,माध्यम भाषा,हिन्दी की संवैधानिक स्थिति,हिन्दी में कम्पयूटर सुविधाऐं,आंकडा संसाधन और शब्द संसाधन,वर्तनी शोधन,मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण: स्वरुप एवं उद्वेश्य,हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण

खण्ड (ख)

भाषा विज्ञान:

भाषा विज्ञान,सिद्धांत पक्ष, भाषा की उत्पति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताऐं और प्रवृतियां, भाषा का विकास और परिवर्तन के कारण।

खण्ड (ग)

ध्वनि विज्ञान:

ध्वनि विज्ञान,ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि नियम,ग्रिम नियम,ग्रासमेन नियम बर्नर नियम।

खण्ड (घ)

अर्थ विज्ञान:

अर्थ विज्ञान, अर्थ परिर्वतन,अर्थ परिर्वतन की दिशाऐं,प्रकार, अर्थ परिवर्तन के कारण।

वाक्य विज्ञान स्वरुप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. भावुक कृष्ण (.डॉ), “हिंदी भाषा का इतिहास”, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1997

2. तिवारी भोलनाथ (.डॉ), “हिंदी भाषा”, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1966

3 . तिवारी भोलनाथ (.डॉ), “भाषा विज्ञान”, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, 1951

4 . शास्त्री रामचंद्र वर्मा .एवं डॉ (.डॉ)माया अग्रवाल, “भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा-”, अनीता प्रकाशन, दिल्ली , 1994

5. बाहरी हरदेव (.डॉ), “हिंदी उद्भव :, विकास और रूप”, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण 1965

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	-	2	2	2	-	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	2	2	3	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	2.3	1.7	2.2	2.5	2	1.2	1.2	2.1	2	2.1	2.1	1.5	1.5

The correlation levels are: “1” – Low Correlation, “2” – Medium Correlation, “3” – High Correlation and “-” indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: मध्यकालीन हिन्दी काव्य-2

Course Code: 607203

Semester: 2nd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियाँ(दार्शनिक सांस्कृतिक,साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में छात्रों को सूरदास ,मीरा,बिहारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिन्दी को उनके प्रदेय की जानकारी देना
CO2	छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियाँ(दार्शनिक सांस्कृतिक,साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में बिहारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय छात्रों को सूरदास ,मीरा,बिहारी की काव्यगत शक्तियों और सीमाओं से परिचित कराना।
CO3	छात्रों को सूरदास ,मीरा ,बिहारी की प्रासंगिकता से अवगत कराना !
CO4	साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।

Course Contents

खंड क

1. सूरसागर सार सटीक,सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा साहित्य भवन, इलाहाबाद।

   (क) विनय तथा भक्ति-पद संख्या;1,2,21,22,24,व 25(6 पद)

   (ख) गोकुल लीला- पद संख्या;7,10,12,18,20,23,26,33,45,व 60 (10 पद)

   (ग) उद्धव संदेश- पद संख्या;41,44,53,68,69,77,82,86,व 120(9 पद)

खंड ख

2. मीरा बाई- पदावली प्रथम 25 पद) परशुराम चुतर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।

3. बिहारी का नया मूल्यांकन (प्रथम 50 दोहे)डा·बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

खंड ग

- सूरसागर में कृष्ण का स्वरुप,
- सूरदास: जीवन परिचय,
- सूरदास भक्ति भावना,
- पुष्टिमार्ग और सूर,
- संयोग श्रृंगार और विरह वर्णन,

खंड घ

- मीरा: जीवन परिचय,
- दार्शनिक पक्ष,
- मीरा की भक्ति भावना,
- विरह वेदना,
- वियोग पक्ष,
- कला सौष्ठव,
- बिहारी: जीवन परिचय,
- परिस्थितयाँ,
- संयोग पक्ष, वियोग पक्ष
- कला सौष्ठव,

सहायक पुस्तकें -

1

.शर्मा शिव कुमार अशोक प्रकाशन , हिन्दी साहित्य युग और प्रवित्याँ ,
2001 दिल्ली

.2बाहरी हरदेव राज कमल प्रकाशन द , सूरसागर ,िल्ली 1998

.3चतुर्वेदी परशुराम ,मीरां पदावली ,हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 1995

.4 सिंह बच्चन , बिहारी का नया मुल्यांकन ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1987

5 चंद्रगुप्त गणपति, हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास" दो खंड,, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1999

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for मध्यकालीन हिन्दी काव्य–2

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	-	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	-	2	3
Average	1.7	1.7	2.2	2.8	2.2	1.2	2	1.7	1.7	1.7	1.7	1.5	2.5

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: पंजाब का हिन्दी साहित्य

Course Code: 607204

Semester: 2nd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	साहित्यकार के रुप भीष्म साहनी, गुरु तेग बहादुर, कृष्णा सोबती के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय देना।
CO2	युगीन पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, गुरु तेग बहादुर की काव्य कृतियों का परिचय देना।
CO3	निर्धारित प्रमुख रचनाओं के सूक्ष्म अध्ययन तथा अन्य कृतियों के सामान्य अध्ययन के माध्यम से कवि की काव्यकला से परिचित कराना।
CO4	कवि की निर्धारित रचनाओं के आस्वादन को तथा मूल्यांकन की दृष्टि देना।

Course Contents

खंड क

1. गुरु तेग बहादुर वाणी–संपादक गुरुदेव कौर व जी.एस.आनंद,पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला प्रकाशन।

खंड ख

2. गुरु तेग बहादुर वाणी–संपादक गुरुदेव कौर व जी.एस.आनंद,पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला प्रकाशन।

खंड ग

3. समय सरगम (उपन्यास) कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

खंड घ

4. मय्यादास की माड़ी (उपन्यास) भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन नई, दिल्ली।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची

1. वाली।चन्द्रकांत । पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली । 1968

2 द्विवेदी विवेक भीष्म साहनी, उपन्यास साहित्य विवेक द्विवेदी लोकभारती प्रकाशन,

इलाहाबाद, पंचम संस्करण, 1999

3 रस्तोगी गिरीश मोहन राकेश और उनके नाटक, ।राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2001

4 बाठ सुखविन्दर कौर, गुरु तेग बहादुर सन्दर्भ और विशलेषण, , पंजाबी यूनिर्वसिटी, पटियाला प्रकाशन।1989

5 सिंह महीप गुरू गोविन्द सिंह और उनकी कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1998

6 अग्रवाल वीणा , गुरू गोविन्द सिंह, समाज और सौन्दर्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for पंजाब का हिन्दी साहित्य

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	-	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	1	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	2	2	-	2	2	1	2	-	2	3	2	2	2
Average	2.5	1.8	1.7	2.5	1.2	1.2	2	1.5	1.7	2.5	2.5	1.5	1.5

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: पत्रकारिता प्रशिक्षण

Course Code: 607205

Semester:2nd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	पत्रकारिता का स्वरुप एवं उपयोजन की जानकारी देना।
CO2	पत्रकारिता के विविध आयामों परिचित कराना।
CO3	इलेक्ट्रानिक मीडिया पत्रकारिता का स्वरुप एवं उपयोजन की जानकारी देना।
CO4	प्रैस के सन्दर्भ में भारतीय संविधान की समाविष्ट अधिकारों का ज्ञान बढाना।

Course Contents

खण्ड (क)

- पत्रकारिता अवधारणा और स्वरुप,
- पत्रकारिता के विविध रुप क्षेत्र,
- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास,

खण्ड (ख)

- **पत्रकार के गुण**
  (क)सम्पादन कला-सम्पादक का दायित्व, सम्पादन के सिद्धांत,
  (ख) सम्पादन कार्य-सामग्री चयन-अंक योजना,
  (ग) सम्पादकीय लेखन-पत्रिका की भाषा,

खण्ड (ग)

साहित्यिक पत्रकारिता

समाचार पत्र: समाचार पत्रों की विभिन्न स्तरों की योजना,दृश्य सामाग्री,कार्टून, रेखाचित्र की व्याख्या और फोटो पत्रकारिता, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्य पद्धति।

खण्ड (घ)

पत्रकारिता प्रकार, विश्वपत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरम्भ, समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व, समाचार संकलन तथा लेखन में मुख्य आयाम, समाचार के विभिन्न स्त्रोत ।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची:

1. मिश्र, कृष्ण बिहारी , हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, प्रकाशन दिल्ली, 1969
2. राधेश्याम,विकास पत्रकारिता, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगड, 1990
3. दीक्षित सूर्यकान्त , जन पत्रकारिता, जनसंचार एवं जन सम्पर्क, , संजय प्रकाशन दिल्ली। 1998
4. मिश्र, चन्द्रप्रकाश , मीडियालेखन, सिद्धान्त और व्यवहार, संजय प्रकाशन दिल्ली।1987
5. पाण्डेय रत्नाकर हिन्दी पत्रकारिता, प्रेमचन्द्र और हंस, , प्रदीप प्रकाशन दिल्ली।1995

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for पत्रकारिता प्रशिक्षण

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	-	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	2	2	1	2	2	1	2	-	2	3	2	2	2
Average	2.2	1.7	1.7	2.5	2	1.3	2	1.5	1.7	2.2	2.2	1.5	1.5

The correlation levels are: “1” – Low Correlation, “2” – Medium Correlation, “3” – High Correlation and “-” indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: विकल्प (3)(अनुवाद विज्ञान)

Course Code: 607206

Semester: 2nd

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	अनुवाद की परिभाषा, स्वरुप,महत्व एवं व्याप्ति की जानकारी देना।
CO2	अनुवाद के विविध रुप तथा अनुवाद प्रक्रिया का परिचय देना।
CO3	अनुवाद के सामाजिक,सांस्कृतिक पक्ष से अवगत कराना।
CO4	अनुवाद के समय आने वाली विभिन्न समस्याऐं तथा उनके समाधान से परिचित कराना।

Course Contents

भाग(क)

अध्ययनार्थ विषय

- अनुवाद परिभाषा,क्षेत्र,महत्व,प्रकिया,
- अनुवाद प्रकिया की प्रकृति,
- अनुवाद में समतुलता का सिद्धांत अनुवाद की इकाई, शब्द पदबन्ध, वाक्य पदबन्ध,

भाग(ख)

- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार,
- अनुवादक के गुण,द्विभाषियों की भूमिका,
- अनुवाद के प्रकार कार्यलयी, वैज्ञानिकी एवं तकनीकी, साहित्यिक, मानविकी, संचार माध्यम विज्ञापन आदि,अनुवाद की समस्याऐं, सृजनात्मक, कार्यलयी अनुवाद की समस्याऐं, वैज्ञानिकी अनुवाद की समस्याऐं,विज्ञापन के अनुवाद की समस्याऐं,

भाग(ग)

- पाठ की अवधारणा और प्रकृति,
- परिभाषिक शब्दावली-निर्माण के सिद्धांत,

- विविध प्रकार,आवश्यकता एवं महत्व,

भाग (घ)

पाठ: शब्द, प्रति शब्द: शब्दिक अनुवाद

साहित्यवाद,कथानुवाद,नाट्यवाद तथा काव्यनुवाद।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची:

1. बोरा राजकमल -अनुवाद क्या है-वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।2001
2. भाटिया कैलाश चन्द्र,भारतीय भाषाऐं हिन्दी अनुवाद,समस्या समाधान, नई दिल्ली। 1998
3. आरसु, साहित्यनुवाद-संवाद और संवेदना वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 2002
4. धवन मधु. भाषान्तरण कला वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।1997
5. गोपीनाथन जी. अनुवाद एवं सिद्धांत प्रयोग, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1989

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for विकल्प (3)(अनुवाद विज्ञान)

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1		2	1
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	3	2	1	-
CO4	2	2	1	2	2	1	2	-	2	3	2	2	2
Average	2.2	1.7	1.7	2.5	2	1.2	2	1.5	1.7	2.2	1.5	1.5	1.7

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: विकल्प 4. (प्रेमचन्द) विशेष अध्ययन

Course Code: 607207

Semester: 2nd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	विशेष साहित्यकार के रुप में कवि प्रेमचन्द के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय कराना।
CO2	युगीन पुष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में प्रेमचन्द की काव्यकृतियों का परिचय देना।
CO3	निर्धारित प्रमुख रचनाओं के सूक्ष्म अध्ययन तथा अन्य कृतियों के सामान्य अध्ययन के माध्यम से प्रेमचन्द की काव्यकला से परिचित कराना।
CO4	कवि के रुप में प्रेमचन्द के योगदान से परिचित कराना।

Course Contents

खण्ड क

अध्यानर्थ विषय:

प्रेमचन्द युगीन परिवेश, प्रेमचन्द का जीवन दर्शन,आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद और प्रेमचन्द की नारी भावना, प्रेमचन्द की सम्पादन कला,हिन्दी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचन्द का योगदान,

खण्ड ख

'सेवासदन' नामकरण

- 'सेवासदन' में चित्रित समस्याऐं और समाधान,

- 'सेवासदन' प्रसंगिकता,
-

- **खण्ड ग**

-
- 'कर्बला'नाटक का उद्धेश्य,
- 'कर्बला'नाटक की रंगमंचीयता,
- प्रेमचन्द की नाट्य् कला,
- प्रेमचन्द की कहानियों का कथ्य,
- प्रेमचन्द की कहानियों का शिल्प,

खण्ड घ

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

1. गबन: प्रेमचन्द;हंस प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. 'सेवासदन' प्रेमचन्द;हंस प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. 'कर्बला' प्रेमचन्द।
4. प्रतिनिधि कहानियाँ प्रेमचन्द, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ सामग्री

1. मदान इन्द्रनाथ, प्रेमचन्द:चिन्तन और कला,;सरस्वती प्रैस;बनारस 1961
2. रहवर हंसराज , प्रेमचन्द:जीवन कला और कृतित्व; आत्माराम एण्ड सन्स दिल्ली 1962।
3. सिन्हा इन्द्रमोहन कुमार , प्रेमचन्द युगीन भारतीय समाज;;बिहारी हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,पटना 1974।
4. शमा रामविलास, प्रेमचन्द और उनका युग॓, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 1981।
5. गुप्त धर्मेन्द , समकालीन जीवन सन्दर्भ और प्रेमचन्द;;पीयूष प्रकाशन नई दिल्ली 1988।
6. रामबक्ष , प्रेमचन्द और भारतीय विकास;;वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।1998

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for विकल्प 4. (प्रेमचन्द) विशेष अध्ययन

CO/PO/PSO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	-	2	3	2	1	2
CO4	2	2	1	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
AVERAGE	2.2	1.7	1.7	2.5	2	1.2	2	1.5	1.7	2.2	2.2	1.5	1.5

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

Course Name: आधुनिक हिन्दी काव्य - I

Course Code: 607301

Semester:3rd.

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृतियों का परिचय देना।
CO2	छात्रों को आधुनिक काल के प्रबन्ध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना।
CO3	छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन अध्ययन और मूल्याँकन की दृष्टि देना।
CO4	कवि के रुप में प्रेमचन्द के योगदान से परिचित कराना।

Course Contents

खण्ड (क)

मैथिलीशरण गुप्त:

- 'साकेत' का महाकाव्यत्व,
- नवजागारण और द्विवेदी युग के प्रतिनिधि कवि गुप्त,
- नवम सर्ग का काव्य वैभव,
- मैथिलीशरण गुप्त का जीवन दर्शन,
- साकेत: सांस्कृतिक आधार और युगीन आदर्श,
- उर्मिला का चरित्र चित्रण,

खंड ख

जयशंकर प्रसाद:

- छायावादी काव्य आन्दोलन और जयशंकर प्रसाद,
- कामायनी की अन्तर्वस्तु,
- कामायनी: महाकाव्यत्व,

- कामायनी: दार्शनिक पक्ष,

खंड ग

- कामायनी:इतिहास और कल्पना,
- कामायनी की रूपक योजना,
- कामायनी की भाषा शैली,

खंड घ

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला:

- निराला की विकास यात्रा के विभिन्न सोपान,
- निराला का जीवन दर्शन,
- छायावादी कवि निराला,
- प्रगतिवादी कवि निराला,
- निराला काव्य सौन्दर्य,
- राम की शक्ति पूजा: कथ्य और शिल्प,
- 'सरोज स्मृति': कथ्य और शिल्प,

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची:

1. नागेन्द्र साकेत: एक अध्ययन- नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली।1998
2. शमा रामविलास , निराला राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।1989
3. सिंह दुधनाथ , निराला: एक आत्मंहता आस्था- लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद 2002
4. कमलेश' पद्मसिंह , निराला, राधाकृष्ण दिल्ली।1998
5. 'नलिन' जयनाथ , काव्यपुरुष निराला-, आलोक प्रकाशन कुरुक्षेत्र 1970
6. सिंह बैजनाथ , नई कविता का इतिहास:, संजय प्रकाशन,दिल्ली,1977
7. राजपाल हुकुमचन्द , नई कविता की नाट्यमुखी भूमिका-,वाणी प्रकाशन दिल्ली,1975

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) for आधुनिक हिन्दी काव्य – I

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	3	3	-	1	2	1	2	1	3	2	1
CO2	2	1	-	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	1	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	-	2	-
Average	2.5	1.7	1.7	2.7	1.7	1.2	2	1.7	1.7	1.7	1.7	1.5	1.2

The correlation levels are: “1” – Low Correlation, “2” – Medium Correlation, “3” – High Correlation and “-” indicates there is no correlation.

Course Name: काव्यशास्त्र तथा साहित्यालोचन

Course Code: 607302

Semester: 3rd

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
CO2	छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना
CO3	छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य,वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
CO4	साहित्यशास्त्र अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

Course Contents

खण्ड (क)

भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षिप्त परिचय

काव्य का स्वरुप:

- काव्य का प्रयोजन
- काव्य हेतु और काव्यभेद
- महाकाव्य,खण्डकाव्य,गीतिकाव्य

खण्ड (ख)

शब्द शक्तियाँ:

अमिधा शब्द शक्ति ।

लक्षणा शब्द शक्ति ।

व्यंजना शब्द शक्ति ।

खण्ड (ग)

- **रस सिद्धांत:** रस का स्वरुप,रस निष्पति,रस के अंग अवयव,साधारणीकरण,सहृदय की अवधारणा।

- **अलंकार सिद्धांत:**मूल स्थापनाऐं,अलंकार का वर्गीकरण।
- **रीति सिद्धांत:** रीति की अवधारणा,काव्यगुण रीति एवँ शैली, रीति सिद्धांत,प्रमुख स्थापनाऐ ।

खण्ड (घ)

- औचित्य सिद्धांत: प्रमुख स्थापनाऐ, औचित्य के भेद।
- वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद।
- ध्वनि सिद्धांत: ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाऐ, ध्वनि के भेद।

संदर्भ सहायक सामग्री

1 माचवे प्रभाकर (.डॉ), “हिंदी आलोचना अतीत और वर्तमान”,हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण , 1988
2. अग्रवाल माया (.डॉ), “पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत एवं विधाएँ”, अनीता प्रकाशन, दिल्ली, 1989
3. अग्रवाल सुरेश (.डॉ), “भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत”, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1996
4. गुप्त शांतिस्वरूप (.डॉ), “पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत”, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1996
5. श्यामसुन्दर साहित्यलोचन,इंडियन प्रैस प्रयाग,1974
6. मिश्र भागीरथ , काव्यशास्त्र, विश्वविधालय प्रकाशन,वाराणसी 1974

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of काव्यशास्त्र तथा साहित्यालोचन

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	1	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	-	2	3	2	1	2
CO4	2	2	3	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	2.2	1.7	1.7	2.5	2	1.2	2	1.5	1.7	2.2	2.2	1.5	1.5

The correlation levels are: “1” – Low Correlation, “2” – Medium Correlation, “3” – High Correlation and “-” indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: हिन्दी नाटक और निबंध

Course Code:A 607303

Semester: 3 rd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	गद्य की प्रमुख विद्याओं के तात्विक स्वरुप का परिचय और विकास की जानकारी देना।
CO2	विद्या विशेष के तात्विक स्वरुप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्याँकन करने की क्षमता बढाना।
CO3	छात्रों को नाटक के स्वरुप और विशेषाओं से परिचित कराना।
CO4	छात्रों में नाटक के आस्वादन और समीक्षा की दृष्टि विकसित करना।

Course Contents

भाग(क)

1. स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद

भाग(ख)

2. आधे –अधूरे : मोहन राकेश

भाग(ग)

चिंतामणि :रामचंद्र शुक्ल – पॉच निबन्ध :श्रद्धा ,भक्ति ,करुणा ,ईर्ष्या और क्रोध ,साधरणीकरण और व्यक्ति–वैचित्र्यवाद

1. निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न : **भाग(घ)**

स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद ,प्रसाद का नाट्य साहित्य ,प्रसाद के नाटकों में अभिनेयता स्कन्दगुप्त में इतिहास एवं कल्पना ,पात्र योजना एवं चरित्र चित्रण

देवसेना का चरित्र चित्रण , स्कन्दगुप्त में नारी पात्र ,कथावस्तु ,शिल्प विधान ,पाश्चात्य प्रभाव ,देशकाल और संस्कृति

मोहन राकेश :जीवन वृत और कृतित्व ,नाट्य तत्वों के आधार पर विवेचन ,आधे–अधूरे :अभिनेयता, रंग मंचीयता ,प्रासंगिकता ,चरित्र –चित्रण ,भाषा शैली

सहायक पुस्तकें :

1 अग्रवाल प्रतिभा , मोहन राकेश, साहित्य अकादेमी, दिल्ली 1995

2 शाह रमेशचन्द्र, जयशंकर प्रसाद साहित्य अकादेमी, दिल्ली 2001

3 प्रसाद जयशंकर , स्कंदगुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1993

4 राकेश मोहन , आधे अधूरे राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1998

5 शुक्ल आचार्य रामचन्द्र , चिंतामणि, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1939

6 स्नातक .विजेन्द्र .विजेन्द्र .1939 हिन्दी साहित्य का इतिहास, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of हिन्दी नाटक और निबंध

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	1	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	-	2	1	2
CO4	2	2	1	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	1.7	1.7	1.7	2.5	2	1.2	2	2.2	1.7	1.5	2.	1.	2.2

The correlation levels are: “1” – Low Correlation, “2” – Medium Correlation, “3” – High Correlation and “-” indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: *विकल्प (1)निराला विशेष अध्ययन*

Course Code: 607304

Semester: 3rd

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियाँ(दार्शनिक, सांस्कृतिक,साहित्यिक के परिप्रेक्ष्य में कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिन्दी को उनके उद्भव की जानकारी देना)
CO2	छात्रों को निराला की काव्यगत विशेषताओं और सीमाओं से परिचित कराना।
CO3	छात्रों को निराला की काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
CO4	गद्य की प्रमुख विद्याओं के तात्विक स्वरुप का परिचय और विकास की जानकारी देना।

Course Contents

खंड क

’बिल्लेसुर बकरिहा’(लघु उपन्यास) राजकमल प्रकाशन दिल्ली।

खंड ख

‘नए पत्ते’(काव्य संग्रह) लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद ।

खंड ग

3. पंत और पल्लव (आलोचना निराला रचनावली के पाँचवे खण्ड में संकलित) राजकमल प्रकाशन दिल्ली)

खंड घ

- निराला की राष्ट्रीय चेतना,
- निराला की विद्रोही चेतना,
- हिन्दी साहित्यकारों में निराला जी का स्थान,
- कथाकार निराला,
- उपन्यासकार निराला,
- जीवनीकारी निराला,
- आलोचक निराला,
- निराला के उपन्यास साहित्य में यथार्थ,
- उपन्यास में नारी पात्र,

सहायक संदर्भ सामग्री

1. राधाकृष्ण , निराला का गद्य (सूर्यप्रसाद दीक्षित) हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,1998
2. शर्मा, रामविलास॰, निराला की साहित्य साधना।,राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1989
3. उपाध्याय विश्वम्मरनाथ , महाकवि निराला- काव्यकला,सरस्वती पुस्तक सदन,आगरा। 2001
4. वाजपेयी नंद दुलारे ,कवि निराला- राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1987
5. पांडेय गंगा प्रसाद ,महाप्राण निराला- ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1998
6. सिंह इन्द्रनाथ निराला: ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।2002
7. सिंह बच्चन क्रान्तिकारी कवि निराला- विश्वविधालय प्रकाशन,वाराणसी।1997

वाष्णैव कुसुम निराला का कथा साहित्य- साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद 1998

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of विकल्प (1)निराला विशेष अध्ययन

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	1	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	-	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	1	2	3	3	1	1	2	1	2	1	1	2	-
Average	2	1.7	1.7	2.	1.7	1.2	2	1.7	1.7	1.7	2	2	1.7

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: हिन्दी आलोचना और आलोचक

Course Code: 607305

Semester: 3rd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes::

CO	On completion of this course, the successful students should be able to
CO1	छात्रों को आलोचना के परिचय स्वरुप से परिचित कराना।
CO2	हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना।
CO3	हिंदी प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धधतियों से अवगत कराना।
CO4	हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना।अ

- Course Contents

अध्ययनार्थ विषय:

भाग-क

आलोचना,स्वरुप, उद्धेश्य,प्रक्रिया

भाग-ख

हिन्दी आलोचना का विकास: भारतेन्दु से महावीर द्विवेदी तक(सामान्य अध्ययन)

भाग-ग

- भारतेन्दु के श्रेष्ठ निबन्ध,सम्पादक सत्यप्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन(वितरक) इलाहाबाद ।
- (मात्र छ: निबन्ध-जातीय संगीत,लेखक और नागरी-लेखक,नाटक अथवा दृश्य काव्य सिद्धान्त विवेचन,हिन्दी भाषा, हिन्दी कविता,वैष्णता और भारतवर्ष)

भाग-घ

- साहित्य विचार (महावीर प्रसाद द्विवेदी)सम्पादक,भारत यायावर,वाणी प्रकाशन दिल्ली

मात्र दस निबन्ध:कवि-कर्त्तव्य, कवि और कविता, कवि बनने के लिए सापेक्ष साधन, कविता का भविष्य,आजकल के हिन्दी कवि और कविता,विचार-विवयर्य,उपन्यास-रहस्य,समआलोचना,हिन्दी

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक सूची:

1. दीक्षित आनन्द प्रकाश , हिन्दी आलोचना,स्वरुप, उद्धेश्य और प्रक्रिया-, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1998
2. मिश्र रामदरश , हन्दी आलोचना का इतिहास,. राधाकृष्ण हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,2001
3. खंडेलवाल रामेश्वर , हन्दी आलोचना के आधार-, राधाकृष्ण हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,1997
4. प्रकाश उदय हिन्दी समीक्षा, स्वरुप और सन्दर्भ। राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1989
5. सिंह डा.उदयभानु , साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ, सम्पादक-, ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1995

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of हिन्दी आलोचना और आलोचक

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	1	3	3	1	2	1	2	1	-	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	-	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	2	2	3	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	2.7	1.7	1.7	2.5	2	1.2	1.2	2.2	1.7	2.2	1.5	2	2.2

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: (कबीर) विशेष अध्ययन

Course Code: 607306

Semester: 3rd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes::

CO	On completion of this course, the successful students should be able to
CO1	छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियाँ(दार्शनिक सांस्कृतिक,साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य में कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिन्दी को उनके प्रदेय की जानकारी देना)
CO2	छात्रों को कबीर की काव्यगत विशेषताओं और सीमाओं से परिचित कराना।
CO3	गद्य की प्रमुख विद्याओं के तात्विक स्वरुप का परिचय और विकास की जानकारी देना।
CO4	विद्या विशेष के तात्विक स्वरुप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्याँकन करने की क्षमता बढाना।

Course Contents

खंड क

- कबीर ग्रन्थावली सम्पादक श्यामसुन्दर दास (नागरी प्रचारिगी सभा वाराणसी)

खंड ख

- साखी भाग (1,2,3,4,11,12,13,16,21 कुल 9)

खंड ग

- पदावली संख्या 51 से 100 तक

<u>खंड घ</u>

- सन्तकाव्य परम्परा और प्रवृतियाँ

- कबीर के अध्ययन की आधार सामग्री
- कबीर का जीवन दर्शन
- कबीर का युग और व्यक्तित्व
- कबीर की शिष्य परम्परा
- उत्तर भारत की सन्त परम्परा और कबीर
- कबीर की अनुभूति के प्रेरणा स्त्रोत
- कबीर का समाज चिन्तन
- कबीर का मानवतावाद
- कबीर के राम
- कबीर की दार्शनिक विचारधारा और कबीर की भक्ति भावना
- कबीर की भक्ति भावना

संदर्भ सहायक सामग्री

1. स्नातक विजयेन्द परशुराम चतुर्वेदी ,कबीर: राधाकृष्ण हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,1998
2. त्रिगुणायत।गोबिन्द , कबीर की विचारधारा: लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2001
3. चतुर्वेदी परशुराम , कबीर साहित्य की परख ।राधाकृष्ण हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,1997
4. राजदेव सिंह , हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर- आलेख प्रकाशन दिल्ली 1980।
5. शमा सरनाम सिंह कबीर व्यक्तित्व एवं कृतित्व सिद्धान्त, भारतीय शोध संस्थान जयपुर।1995
6. गुप्त डा·दीन दयाल कबीर दर्शन, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविधालय 1961।
7. सिंह राजदेव सन्त साहित्य-पुर्नमूल्यांकन, ,आर्य बुक डिपो नई दिल्ली 1973।
8. रामदेव , सन्तों की सहज साधना -लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1976।

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of (कबीर) विशेष अध्ययन

CO/PO/PSO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO10	PSO1	PSO2	PSO 3
CO1	3	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	-	2	2	2	-	2	1	2	2	1	2
CO3	1	2	3	3	1	1	2	1	2	1	3	1	-
CO4	2	1	2	2	2	2	3	1	1	2	2	1	2
Average	2	1.5	2	2.5	2	1.5	2.	1.2	1.5	1.5	2.5	1.2	1.7

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: (मोहन राकेश) विशेष अध्ययन

Course Code: 607307

Semester: 3rd

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes: On:

CO	completion of this course, the successful students should be able to
CO1	हिन्दी नाट्य साहित्य के विकासकम की जानकारी देना।
CO2	भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के स्वरूप एवं तत्वों का परिचय देना।
CO3	छात्रों को मोहन राकेश के नाट्य-संसार से परिचित कराना।हिन्दी तथा भारतीय नाट्यक्षेत्र में मोहन राकेश का योगदान।
CO4	हिन्दी तथा भारतीय नाट्यक्षेत्र में मोहन राकेश के योगदान से छात्रों को परिचित कराना।

course contents

खण्ड (क)

- भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के स्वरूप एवं तत्वों का परिचय देना।
- मोहन राकेश व्यक्तित्व और कृतित्व,
- हिन्दी नाट्य परंपरा का सामान्य परिचय-स्वातंत्र्योत्तर नाटक।
- मोहन राकेश के नाट्य साहित्य का तात्विक एवं प्रस्तुतीकरण परिचय।
- मोहन राकेश का नाट्य चिंतन।
- मोहन राकेश की नाट्यकला: कथ्य- आधुनिक संवेदना,चरित्रांकन,भाषा-संवाद योजना, मंचीयता।
- हिन्दी तथा भारतीय नाट्यक्षेत्र में मोहन राकेश का योगदान।

खंड ख

- आषाढ का एक दिन

खंड ग

- लहरों के राजहंस

- खंड घ

- आधे अधूरे

अध्ययन के के लिए सहायक पुस्तक सूची:

1. रघुवंश नाट्यकला: राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।2001
2. रंगदर्शन: नेमिचंद्र जैन राधाकृष्ण हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,2002
3. अग्रवाल कुवरजी रंगमंच: राधाकृष्ण हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,1989
4. चातक गोविंद नाटक की साहित्यिक संरचना- राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।2001
5. जैन नेमिचंद्र , नई रंग-चेतना और हिंदी नाटककार और रंगमंच:, राधाकृष्ण हिन्दी प्रकाशन, दिल्ली,1998
6. चातक गोविंद, मोहन राकेश- आधुनिक हिंदी नाटक का मसीहा: लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद 1997

7. **Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of (मोहन राकेश) विशेष अध्ययन**

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	1	3	3	1	2	1	2	1	-	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	-	2	3	2	1	2
CO4	2	2	-	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	2.2	1.7	1.7	2.2	2	1.2	2	1.5	1.7	2.2	1.5	1.5	2.2

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: आधुनिक हिन्दी काव्य-2

Course Code: A607401

Semester: 4th

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृतियों का परिचय देना।
CO2	छात्रों को आधुनिक काल के प्रबन्ध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना।
CO3	छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन अध्ययन और मूल्याँकन की दृष्टि देना।
CO4	भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के स्वरूप एवं तत्वों का परिचय देना।

•

Course Contents

भाग(क)

1अज्ञेय : आज के लोकप्रिय कवि : अज्ञेय ,संपादक ,विद्यानिवास मिश्र ,राजपाल एण्ड सन्ज ,दिल्ली

निर्धारित कविताएँ :

कतकी पूनो ,आज थका हिय हारिल मेरा ,बावरा अहेरी ,सवेरे उठा तो धूप खिली थी ,झरने के लिए ,जीवन मर्म ,नया कवि ,आत्म स्वीकार ,शब्द और सत्य ,बड़े शहर का एक साक्षत्कार ,नदी के द्वीप ,असाध्य वीणा ,कन्हाई ने प्यार किया ,देहरी पर ,अन्तः सलिला ,कितनी नावों में कितनी बार ,पत्थर का घोड़ा ,कभी –अब न जाने केहि भेस , मेरे देश की ऑखें , वासुदेव प्याला –20 कविताएँ

भाग(ख)

2–नागार्जुन और उनकी प्रतिनिधि कविताएँ :

कविताएँ :

कल्पना के पुत्र हे भगवान ,सिन्दूर तिलकित भाल ,अकाल और उसके बाद ,प्रतिबद्ध हूँ ,गुलाबी चूड़ियॉ ,उनको प्रणाम ,मेरी भी आभा है इसमें ,बहुत दिनों के बाद ,बादल को घिरते देखा है ,पैने दॉतो वाली ।

भाग(ग)

3–धूमिल :

कविताऍ :

संसद से सड़क तक –15 कविताऍ ,बीस साल बाद ,जनतंत्र के सूर्योदय में ,अकाल दर्शन ,शान्ति पाठ ,राजकमल चौधरी के लिए ,मोचीराम ,शहर में ,सूर्यास्त ,मकान ,शहर का व्याकरण ,नक्सलबाड़ी ,हत्यारी ,संभवनाओं के नीचे ,मुनासिब कार्यवाही ,भाषा की रात ,पटकथा

भाग(घ)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :

कवि अज्ञेय :व्यक्तित्व एवं कृतित्व

अज्ञेय के काव्य में सामाजिक अनुभूति

अज्ञेय के काव्य में प्राकृतिक सौन्दर्यनुभूति

अज्ञेय : भाषा सौष्ठव और छंद विधान

प्रयोगवादी काव्य –एक परिचय

अज्ञेय के काव्य की वस्तुगत एवं शिल्पगत विशेषताऍ

निर्धारित कविताओं की समीक्षा

नागार्जुन :

नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

भाव पक्ष एवं कला पक्ष

काव्य सम्बन्धी दृष्टिकोण

राष्ट्रीय भावना

जन–जीवन

प्रकृति वर्णन

धूमिल :

कवि धूमिल का सामान्य परिचय

धूमिल की काव्य कला

धूमिल की कविताओं का विश्लेषण

धूमिल की कविता की भाषा

सहायक पुस्तक सूची–

1. **शुक्ल श्री लाल अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग** – लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद 1998
2 **शाह समोचन्द्र अज्ञेय वागर्थ का वैभव–** राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली। 2001

3 **गौतम लक्ष्मण मुक्तिबोध** – राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली ।2002

4 **गुलाटी मदन , बीसवीं सदी की कविता , अनुपम प्रका”ान करनाल–2000**

5 राय, लल्लन , मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता , मंथन पब्लिकेशन रोहतक 1998

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of आधुनिक हिन्दी काव्य-2

CO/PO/PSO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO10	PSO1	PSO2	PSO 3
CO1	3	2	1	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	1	1	3	1	2	1	-	2	1	2	2	1	2
Average	2	1.7	1.7	2.2	2	1.2	1.5	2	1.5	2	2.2	1.2	1.5

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

Course Name: पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Course Code: 607402

Semester: 4th

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को पाश्चात्य काव्य शास्त्र, साहित्य शास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
CO2	छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतों, नई समीक्षा का ज्ञान कराना।
CO3	छात्रों को पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के सिद्धांतो में साम्य,वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
CO4	छात्रों को अलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।

Course Contents

भाग–क

- अरस्तु का त्रासदी विवेचन,अनुकरण–सिद्धान्त,विरेचन सिद्धान्त,

भाग–ख

- लोजाइनस का उदात तत्व, प्लेटो काव्य सिद्धान्त,

भाग–ग

आई.ए.रिचर्ड का मूल्य सिद्धान्त।सात्रे का अस्तित्ववाद क्रोंचे का अभिव्यंजना वाद और नई समीक्षा।विशिष्ट प्रवृतियां:मनोविश्लेषण वाद और प्रगतिवाद।

भाग–घ

विभिन्न साहित्यक विधाओं की समीक्षा निर्धारित विधाऐं–
उपन्यास,कहानी,नाटक,निबन्ध,आलोचना:परिभाषा,स्वरुप तत्व व प्रकार।

संदर्भ सहायक सामग्री

1. माचवे प्रभाकर (.डॉ), "हिंदी आलोचना अतीत और वर्तमान",हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण , 1988
2. अग्रवाल माया (.डॉ), "पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत एवं विधाएँ", अनीता प्रकाशन, दिल्ली, 1989
3. अग्रवाल सुरेश (.डॉ), "भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत", अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1996
4 . गुप्त शांतिस्वरूप (.डॉ), "पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत", अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 1996
5. सुन्दर श्याम, साहित्यलोचन,इंडियन प्रैस प्रयाग,1974
6. मिश्र भागीरथ काव्यशास्त्र, विश्वविधालय प्रकाशन,वाराणसी 1974
7. नगेन्द्र ,भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली,1953
8. कालेल्कर काका भारतीय काव्य सिद्धांत, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद 1969

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of पाश्चात्य काव्य शास्त्र

CO/PO/PSO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO10	PSO1	PSO2	PSO 3
CO1	1	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	-	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	-	2	3	2	1	-
CO4	2	2	1	2	2	1	2	3	2	3	2	2	2
Average	1.7	1.7	1.7	2.5	2	1.2	2	1.5	1.7	2.7	2.2	2	1.7

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: : प्रयोजनमूलक हिन्दी

Course Code: 607403

Semester: 4th

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes::

CO	On completion of this course, the successful students should be able to
CO1	छात्रों को हिन्दी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियों और प्रयोजनमूलक शैलियों का परिचय कराना
CO2	छात्रों को हिन्दी में हिन्दी में कम्पयूटर के प्रयोग विधि से अवगत कराना।
CO3	छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी कार्यसाधक प्रयोग की कुशलता विकसित करना।
CO4	राज भाषा हिन्दी के कार्यान्यवन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा।

- Course Contents

अध्यनार्थ विषय:

भाग-क

कामकाजी हिंदी-हिंदी के विभिन्न रूप-मातृभाषा, राष्ट्रभाषा,संपर्क भाषा,संचार भाषा,,सर्जनात्मक भाषा।

कार्यालयी हिंदी(राज भाषा) के प्रमुख प्रकार्य:प्रारूपण,पत्र-लेखन,संक्षेपण,पल्लवन,टिप्पण। पारिभाषिक शब्दावली-निर्माण के सिद्धांत।

भाग-ख

संचार माध्यमों की हिंदी:

पत्रकारिता: स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।

भाग-ग

जनसंचार:प्रौद्योगिक एवं चुनौतियां।

विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण,श्रव्य, ,दृश्य-श्रव्य,इंटरनेट।

हिंदी कंप्यूटिंग:कंप्यूटर-परिचय,रूपरेखा और उपयोग।

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों का रूपांतरण।

भाग-घ

अनुवाद:सिद्धांत एवं व्यवहार।

अनुवाद का स्वरूप,क्षेत्र,प्रक्रिया एवं प्रविधि।

हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।

व्यावहारिक: अनुवाद-अभ्यास(अंग्रेजी/पंजाबी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी/पंजाबी)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. गोदरे विनोद , प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन,दिल्ली। 1998
2. कुमार सुवास , हिन्दी:विविध व्यवहारों की भाषा, वाणी प्रकाशन,दिल्ली।1997
3. शर्मा देवेन्द्रनाथ , शाही विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, आधार प्रकाशन,पंचकूला। 1989
4. राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान, लोकभारती प्रकाशन। 2001

5. नौटियाल जयंती प्रसाद , अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार,राजकमल प्रकाशन दिल्ली। 1998
5. गुप्त दिनेश , प्रयोजनमूलक हिन्दी : राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली।1989
6. दीक्षित सूर्य प्रसाद, जन पत्रकारिता,जन संचार :,संजय प्रकाशन,दिल्ली।2002

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of प्रयोजनमूलक हिन्दी

CO/PO/PSO	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9	PO10	PSO 1	PSO2	PSO3
CO1	3	2	1	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	3	2	-	2	1	2
CO4	2	2	-	2	2	1	2	-	2	3	2	2	2
Average	2.2	1.7	1.7	2.5	2	1.2	2	1.5	1.7	1.5	2.2	1.5	2.2

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: हिन्दी आलोचना और आलोचक

Course Code: 607404

Semester:4th

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes::

CO	On completion of this course, the successful students should be able to
CO1	छात्रों को आलोचना के परिचय स्वरुप से परिचित कराना।
CO2	हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना।
CO3	हिंदी प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धधतियों से अवगत कराना।
CO4	हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना।

- Course Contents

खण्ड–क

हिन्दी आलोचना का विकास: शुक्ल युग से अधतन, आलोचना स्वरूप उद्देश्य, आलोचना की प्रकिया, आलोचना के प्रमुख प्रकार, आलोचक के गुण।

खण्ड–ख

हिन्दी आलोचना का विकास कम, हिन्दी आलोचना और सृजनशील साहित्य, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना पद्धति, स्वरूप और विशेषता, हिन्दी आलोचको में उनका योगदान।

खण्ड-ग

डा. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति, स्वरूप और विशेषता, हिन्दी आलोचको में उनका योगदान,डा.रामविलास शर्मा की आलोचना, पद्धति, स्वरूप और विशेषता, हिन्दी आलोचको में उनका योगदान।

खण्ड-घ

नन्द दुलारे की आलोचना पद्धति, स्वरूप और विशेषता, हिन्दी आलोचको में उनका योगदान,नगेन्द्र की आलोचना, पद्धति, स्वरूप और विशेषता, हिन्दी आलोचको में उनका योगदान।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. त्रिपाठी विश्वनाथ , हिन्दी आलोचना का विकास:, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली।1998
2. शमा राम विलास , आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।2001
3. सिंह नामवर , दूसरी परम्परा की खोजराजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1989
4. जैन निर्मला , बीसवी सदी की हिंदी आलोचना:, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली।1979
5. राजपाल हुकमचंद , समकालीन हिंदी समीक्षा: राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।2002
6. मदान इन्द्रनाथ , आलोचन और साहित्य:, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली।1995
7. तिवारी रामचन्द्र , आलोचक का दायित्व:, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।2002

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of हिन्दी आलोचना और आलोचक

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	-	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	3
CO2	2	1	-	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	3	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	2	2	1	2	2	1	2	-	2	3	2	2	2
Average	1.7	1.7	1.5	2.5	2	1.2	2	1.5	1.7	2.2	2.2	1.5	2.2

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

Course Name: तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

Course Code: 607405

Semester: 4th

Credits 05 **L T P**
5 0 0

Course Outcomes::

CO	On completion of this course, the successful students should be able to
CO1	छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय देते हुए हिन्दी को उनके प्रदेय की जानकारी देना। ।
CO2	छात्रों को तुलसीदास की काव्य कला से परिचित कराना।
CO3	छात्रों को तुलसीदास की काव्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
CO4	छात्रों को हिन्दी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियों और प्रयोजनमूलक शैलियों का परिचय कराना

Course Contents

•

खंड क

- तुलसीदास का जीवनवृत और कृतित्व,
- तुलसीदास की भक्ति पद्धति,
- तुलसीदास के दार्शनिक विचार,
- मानस का महाकाव्यत्व,
- तुलसी का राज्यादर्श,
- मानस के लोक जीवन एवं संस्कृति,

खंड ख

- तुलसी का लोकनायत्व,
- तुलसीदास का हिन्दी साहित्य में स्थान,
- कवितावली का प्रयोजन,
- कवितावली में भक्ति,
- कवितावली का कला सौष्ठव,

- कवितावली में गीति तत्व।

खंड ग

रामचरितमानस:उत्तरकाण्ड संपूर्ण।

खंड घ

कवितावली:अयोध्या काण्ड संपूर्ण।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. शर्मा राम विलास , भारतीय सौगर्न्दशास्त्र और तुलसीदास: साहित्य अकादमी,नई दिल्ली। 2001
2. शुक्ल आचार्य रामचन्द्र , गोस्वामी तुलसीदास:,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी। 1998
3. सिंह उदयभानु , तुलसी:, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।1997
4. सिंह उदयभानु , तुलसी काव्य मीमांस:, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।2003
5. सिंह उदयभानु , तुलसी दर्शन मीमांस:, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली।2001
6. सिंह, उदयभानु , तुलसी और उनका काव्य : राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली। 1989
7. त्रिपाठी रामनरेश , तुलसीदास और उनका काव्य:, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।1997
8. दीक्षित राजपति , तुलसीदास और उनका युग:, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली। 2001
9. रावत चंद्रभानु , तुलसी साहित्य के बदलते प्रतिमान:, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद 1998

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of तुलसीदास (विशेष अध्ययन)

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	1	2	1	3	3	1	2	1	2	1	-	2	3
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	1	-	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	1	2	2	3	-	1	2	1	2	1	1	2	-
Average	1.5	1.7	1.7	2	1.5	1.2	2	1.7	1.7	1.7	1.5	1.5	1.7

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

Course Name: विकल्प (3) लोक साहित्य: सैद्धान्तिक अध्ययन

Course Code: 607406

Semester: 4th

Credits 05 **L T P**

5 0 0

Course Outcomes:

CO	On completion of this course, the successful students should be able to:
CO1	छात्रों को लोक साहित्य के स्वरूप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित कराना।
CO2	लोक साहित्य के विविध विधाओं की जानकारी देना तथा लोक जीवन में उनकी व्यापकता समझना।
CO3	लोक साहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना।
CO4	छात्रों को हिन्दी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियों और प्रयोजनमूलक शैलियों का परिचय कराना

खण्ड (क)

लोक और लोक-वार्ता-लोक-विज्ञान।

लोक-संस्कृति:अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक संस्कृति और साहित्य।

खण्ड (ख)

लोक-साहित्य अवधारणा

लोक-साहित्य के संकलन की समस्याएं।

लोक- साहित्य के प्रमुख रूपो का वर्गीकरण: लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य, लोक-संगीत।

खण्ड (ग)

लोक-गीत:संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत,ऋतु-गीत।

लोक नाट्य:रामलीला,रासलीला,यक्षगान,विदेसिया,भांड,तमाशा,नौटंकी।

खण्ड (घ)

GURU KASHI UNIVERSITY
PUNJAB - INDIA

लोक-भाषा:लोक सुभाषित,मुहावरे,कहावतें,पहेलियां।
पंजाब का लोक साहित्य:सामान्य परिचय।

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तक-सूची

1. उपाध्याय कृष्णदेव , लोक संस्कृति की रूपरेखा: ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 2003
2. नारायण बद्री , लोक संस्कृति और इतिहास:, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद।1998
3. शर्मा श्रीराम ,लोक साहित्य,सिद्धांत और प्रयोग: विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा।1995
4. बाठ सुखविन्दर कौर , लोक साहित्य और संस्कृति: -अमर प्रकाशन,गाजियाबाद।1989
5. सत्येन्द्र ,लोक-वार्ता और लोक गीत- ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 1996
6. पाण्डेय त्रिलोचन , लोक साहित्य का अध्ययन- ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 2001
7. सत्येन्द्र लोक साहित्य का विज्ञान- ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 1989

श्यामसुन्दर भारतीय लोक साहित्य- ।राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 1997

Correlation of COs to the Program Outcomes (POs) and Program Specific Outcomes (PSOs) of विकल्प (3) लोक साहित्य: सैद्धान्तिक अध्ययन

CO/PO/PSO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10	PSO1	PSO2	PSO3
CO1	1	2	3	3	3	1	2	1	2	1	3	2	-
CO2	2	1	3	2	2	2	3	2	1	2	2	1	2
CO3	2	2	-	3	1	1	1	3	2	3	2	1	2
CO4	2	2	1	3	1	1	1	3	2	-	2	1	2
Average	1.5	1.7	1.4	2.7	1.7	1.2	1.7	2.2	1.7	1.5	2.2	1.2	1.5

The correlation levels are: "1" – Low Correlation, "2" – Medium Correlation, "3" – High Correlation and "-" indicates there is no correlation.

Total number of Course	**24**
Total number of Theory Course	**16**
Total number of Practical Clurse	**NIL**
Total number of Credits	**80**

Annexure-4

ACADEMIC INSTURCTIONS

Attendance Requirements

A student shall have to attend 75% of the scheduled periods in each course in a semester; otherwise he / she shall not be allowed to appear in that course in the University examination and shall be detained in the course(s). The University may condone attendance shortage in special circumstances (as specified by the Guru Kashi University authorities). A student detained in the course(s) would be allowed to appear in the subsequent university examination(s) only on having completed the attendance in the program, when the program is offered in a regular semester(s) or otherwise as per the rules.

Assessment of a course

Each course shall be assessed out of 100 marks. The distribution of these 100 marks is given in subsequent sub sections (as applicable).

	Internal (50)						**External (50)**	**Total**
Components	**Attendance**	**Assignment**			**MST 1**	**MST2**	**ETE**	
		A1	A2	A3				
Weightage	10	10	10	10	30	30	50	
Average Weightage	10	10			30		50	100

Passing Criteria

The students have to pass both in internal and external examinations. The minimum passing marks to clear in examination is 40% of the total marks.